**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 1668

उत्‍तर देने की तारीख: 27.12.2018

**माध्यमिक शिक्षा के लिए नवोन्मेष निधि**

**1668. डा॰ अभिषेक मनु सिंघवीः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने कृपा करेंगे किः

(क) माध्यमिक शिक्षा के लिए आवंटित नवोन्मेष निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) पश्चिम बंगाल और राजस्थान राज्यों के लिए आवंटित निधियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) विज्ञान संबंधी शिक्षा में नवोन्मेष निधि किस प्रकार मदद करती है और पाठ्यक्रम में लचीलेपन को लागू करने से राष्ट्र में स्थानीय नवोन्मेष के माध्यम से रचनात्मकता को किस प्रकार बढ़ावा मिलेगा?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(डॉ. सत्यपाल सिंह)**

(क) से (ग): वर्ष 2017 18 के बजट में,  देश के शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों पर विशेष फोकस करते हुए आईसीटी समर्थित अधिगम रूपांतरण सहित सार्वभौमिक पहुंच, महिला-पुरुष समानता और गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत माध्यमिक शिक्षा के लिए एक नवाचार निधि का सृजन किया गया था।  2018 के दौरान नवाचार निधि के लिए 22 राज्यों से व्यवहारी प्रस्ताव प्राप्त हुए थे और नवाचार निधि के लिए विचार किया गया था और नवाचार निधि के लिए 6974.96 लाख रुपए का परिव्यय अनुमोदित किया था जिसमें राजस्थान के लिए 1067.80 लाख रुपए शामिल थे। पश्चिम बंगाल राज्य से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ था।

 स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने   एकीकृत स्कूल शिक्षा योजना- समग्र शिक्षा शुरू की है, जिसमें तत्कालीन केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए)  और अध्यापक शिक्षा (टीई) को मिलाया गया है। समग्र शिक्षा को एक अप्रैल 2018 से लागू किया गया है। नई एकीकृत योजना में स्कूल शिक्षा की स्कूल से लेकर माध्यमिक स्तर तक सतत शिक्षा के रूप में परिकल्पना की गई है  और इसका उद्देश्य समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है।

 2018-19 के दौरान,  समग्र शिक्षा के तहत मंत्रालय ने विभिन्न नवाचार गतिविधियों/ परियोजनाओं के लिए 31438.85 लाख रुपए का परिवेश अनुमोदित किया है जिसमें से  पश्चिम बंगाल राज्य और राजस्थान के लिए क्रमशः 42.70 लाख रूपए और 2420.65 लाख रूपए अनुमोदित किए गए हैं।    ये निधियां, विभिन्न नवाचार गतिविधियों/ परियोजनाओं के लिए प्रदान की गई हैं जैसाकि राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा विज्ञान शिक्षा   को माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए यथा प्रस्तावित विभिन्न नवाचारी गतिविधियां/परियोजनाओं और दृष्टि बाधित लोगों के लिए इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया उपकरण, कौशल प्रदर्शनी सह प्रतिस्पर्धा, विज्ञान में नवाचार संवर्धन, बालिकाओं के लिए परिवहन वाउचर, जिला  स्‍तरीय एसवीपी विद्यालयों के लिए प्रोत्साहन, योगा ओलंपियाड, बैंड प्रतिस्पर्धा, स्पोर्ट्स स्कूल शिक्षा, नवाचार मेले, कैरियर मार्गदर्शन/काउंसलिंग, परिगणनात्‍मक सोच, शिक्षा पहलों के लिए नवाचार और समग्र मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा, राज्‍य स्‍तर पर लिखित विज्ञान और गणित प्रतिस्पर्धा, खिलाड़ियों के लिए ट्रैकिंग एक्सपीडिशन,  विज्ञान गतिविधियां परियोजना का व्यवहारिक ज्ञान, खिलाड़ियों के लिए ओपन जिम, वाटर प्यूरीफायर संयत्र, स्कूलों के लिए ई- मॉनिटरिंग, गणित संग्रहालय, स्कूलों में हर्बल बागान, ग्रीष्‍मकालीन कैम्‍प, कक्षा-कक्षों के डिजिटलीकरण, छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम आदि जैसी सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए निधि प्रदान की गई है।

इसके अतिरिक्‍त, नीति आयोग अटल नवाचार मिशन (एआईएम) के तहत सम्‍पूर्ण भारत के स्‍कूलों में अटल टिंकरिंग लैबोरेटरीज (एटीएल) स्‍थापित कर रहा है। इस योजना का उद्देश्‍य युवाओं में जिज्ञासा, सृजनात्‍मकता और रचनात्‍मक कल्‍पना का पोषण करना है; और डिजाइन माइंडसेट, अभिकल्‍पनात्‍मक सोच, अनुकूल अधिगम, वास्‍तविक गणना आदि जैसे कौशल को शामिल करना है। एआईएम ने एटीएल स्‍थापित करने के लिए देश भर में 5000 से अधिक स्‍कूलों का चयन किया है।

**\*\*\*\*\***